एम.ए. जनसंचार

M.A. MASS COMMUNICATION

पाठ्यक्रम/सत्र – 2020-22

SYLLABUS / SESSION : 2020-22

जनसंचार विभाग

DEPARTMENT OF MASS COMMUNICATION

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा (महाराष्ट्र)

MAHATMA GANDHI ANTARRASHTRIYA HINDI VISHWAVIDYALAYA
WARDHA, MAHARASHTRA

ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा (महाराष्ट्र)

जनसंचार विभाग

DEPARTMENT OF MASS COMMUNICATION

जनसंचार विभाग संपूर्ण भारत की विभिन्न भाषाओं में गुंथी हुई संचार व्यवस्था केंद्रित अध्ययन व अनुसंधान को समर्पित है।

विभाग का ध्येय

1. संचार की वाचिक परंपरा तथा लिपिविहीन समाजों की संचार संपदा का संकलन और अध्ययन।
2. हिंदी मीडिया की भाषा में हो रहे विकास और ह्रास का अनुशीलन और समुचित दिशा देने का यत्न।
3. स्थान और समय की चुनौतियों के अनुरूप हिंदी मीडिया की भाषा का सिद्धांत निर्माण।
4. इंटरनेट पर उपलब्ध ज्ञान का उपयोग करना और अपने ज्ञान को उस पर अपलोड करना और डिजिटल आर्काइव बनाना।
5. भारत की विभिन्न भाषाओं के मीडिया के साथ हिंदी मीडिया का संबंध जोड़ना और विभिन्न भाषाओं की पत्रकारिता में सहकार संबंध स्थापित करना। भारत की समस्त भाषाओं के मीडिया में संचार सौंदर्य का संकलन और अनुशीलन।
6. सही और गलत समाचारों को अलग करने का शास्त्र और उसकी तकनीक विकसित करना और उसका प्रशिक्षण देना।
7. भोजपुरी, अवधी, बघेली, बुंदेलखंडी, अंगिका, ब्रज, हरियाणवी आदि बोलियोंवाले समाज तथा हिंदीतर भाषाओं के सांस्कृतिक संचार के रूपक और प्रतिमानों का अध्ययन और संकलन।

ध्येय पूर्ति हेतु कार्य योजना-

1. हिंदी मीडिया की भाषा के स्वरूप को गढ़ना और निरंतर समृद्ध करते रहना। उदाहरण के लिए मुबंई के हिंदी मीडिया में मुंबइया हिंदी, हैदराबाद में हैदराबादी हिंदी, कलकत्ता में कलकतिया हिंदी, भोपाल के हिंदी मीडिया में भोपाली हिंदी के संचार प्रभावों का अध्ययन। विज्ञापन की भाषा में भी स्थानीय भाषा के प्रयोग की संभावनाओं का अध्ययन।
2. किसान की भाषा, मजदूर की भाषा, व्यापारियों की भाषा, निम्न मध्यवर्गीय भाषा, सधुक्कड़ी भाषा, घुमंतू और विलुप्त हो रही जनजातियों की भाषा के संचार प्रभावों का अध्ययन।
3. जनभाषा, शास्त्र की भाषा और बाजार की भाषा के बीच संवाद स्थापित करते हुए मुद्रित, दृश्य-श्रव्य और नव माध्यम के लिए लेखन का प्रशिक्षण।

4. वर्तनी का मानकीकरण, सरलीकरण और देसीकरण। तदनुसार मीडिया पाठ्यक्रम तैयार करना और प्रशिक्षण का प्रबंध करना।
5. हिंदी मीडिया का शब्द निर्माण। शब्द कोश निर्माण।

- **पाठ्यक्रम की विशेषताएं :**
    1. यह पाठ्यक्रम जनसंचार क्षेत्र के मूल सिद्धान्तों, प्रक्रिया एवं व्यावहारिक पहलुओं का विश्लेणात्मक अध्ययन के निमित्त है।
    2. जनसंचार माध्यमों की विषय वस्तु, तकनीक और उपयोगिता का विवेचन।
    3. मीडिया लेखन विशेषकर रिपोर्टिंग और संपादन जैसे कौशल केंद्रित विषय में दक्षता प्राप्त करने हेतु व्यावहारिक कार्यों पर बल।
    4. जनसंचार क्षेत्र में गहन शोध एवं अध्ययन।
- **अध्ययन प्रणाली :**
    1. सैद्धांतिक अवधारणाओं की विभिन्न माध्यमों से तुष्टि।सूचना, तथ्य, जानकारी, अनुभव आदान-प्रदान विशेषज्ञों के व्याख्यानों के माध्यम से।
    2. तकनीक एवं व्यावहारिक अध्ययन, कम्प्यूटर, इंटरनेट, व ऑनलाइन अध्ययन के साथ व्यक्तित्व विकास।
    3. संस्थागत कार्य अध्ययन, अध्ययन में शोध-कार्य एवं प्रबंधन, केस स्टडी कर नए ज्ञान में केंद्र व विश्वविद्यालय के प्रति उत्तरदायी बनाना।
    4. शैक्षणिक-भ्रमण, अत्याधुनिक उपकरणों व तकनीक से सम्पूर्णसंचास-क्षेत्र में सक्रिय प्रतिनिधित्व एवं अवसर उपलब्ध कर मुख्यधारा में लाना।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

एम.ए. जनसंचार

विश्वविद्यालय द्वारा अपनाये जाने वाले च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (CBCS) के अनुरूप जनसंचार विभाग में संचालित किए जाने वाले विभिन्न पाठ्यक्रमों के अतंर्गत मूल एवं ऐच्छिक पाठ्यचर्याओं का विवरण इस प्रकार है –

सेमेस्टर	मूलप्रश्नपत्र संख्या	मूल (Core) पाठ्यचर्या	क्रेडिट	ऐच्छिक प्रश्नपत्र संख्या	ऐच्छिक (Elective) पाठ्यचर्या	क्रेडिट	कुलयोग
प्रथम सेमेस्टर	I	संचार : सिद्धांत एवं प्रतिरूप	04	V	जनसंपर्क एवं कॉर्पोरेट संचार	04	22 क्रेडिट
	II	जनमाध्यमों का विकास	04	VI	मीडिया लेखन	02	
	III	जनमाध्यमों की रिर्पोर्टिंग	04				
	IV	जनमाध्यमों का संपादन	04				
द्वितीय सेमेस्टर	I	मीडिया विधि एवं आचार संहिता	04	V	विज्ञापन	04	22 क्रेडिट
	II	वेब पत्रकारिता	04	VI	भारतीय संचारक	02	
	III	गांधी एवं अंबेडकर की पत्रकारिता	04				
	IV	सतत एवं समावेशी विकास संचार	04				
तृतीय सेमेस्टर	I	संचार शोध प्रविधि	04	V	रचनात्मक एवं समसामयिक मुद्दों पर लेखन	04	24 क्रेडिट
	II	फोटो पत्रकारिता एवं तकनीक	04	VI	पत्रकारिता की नवीन शैलियां	04	
	III	राजनीतिक संचार	04				
	IV	मीडिया प्रबंधन	04				
चतुर्थ सेमेस्टर	I	सांस्कृतिक संचार	04	V	ग्रामीण संचार	04	22 क्रेडिट
	II	भारतीय ज्ञान परंपरा और संचार	04	VI	मोबाइल पत्रकारिता	02	
	III	मीडिया प्रोडक्शन (प्रिंट/इलेक्ट्रॉनिक/प्रायोगिक)	04				
	IV	परियोजना कार्य एवं मौखिकी	04				
कुल क्रेडिट योग			**64 क्रेडिट**			**26 क्रेडिट**	**90 क्रेडिट**

नोट : एम.ए. स्तर पर विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय अनुदाय आयोग द्वारा अनुमोदितMOOCs अथवा किसी अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से 18 क्रेडिट तक की ऐच्छिक पाठ्यचर्याओंके चयन करने की सुविधा होगी।

एम.ए.जनसंचार, प्रथम सेमेस्टर, प्रश्नपत्र – I

संचार :सिद्धांत एवं प्रतिरूप (मूल) (क्रेडिट 04)

इकाई-1 संचार की अवधारणा

1.1 संचार का अर्थ एवं परिभाषा
1.2 संचार का महत्व एवं कार्य
1.3 संचार के तत्व
1.4 संचार के 7 सी
1.5 संचार के चरण एवं मार्ग

इकाई-2 संचार के प्रकार

2.1 अंतः व्यक्तिक संचार
2.2 अंतर व्यक्तिक संचार
2.3 समूह संचार
2.4 जनसंचार

इकाई-3 संचार के सिद्धांत एवं प्रतिरूप

3.1 लासवेल का संचार प्रतिरूप
3.2 शैनन एवं वीवर का संचार प्रतिरूप
3.3 विल्बर श्राम का संचार प्रतिरूप
3.4 एजेंडा सेटिंग सिद्धांत
3.5 स्पाइरल ऑफ साइलेंस सिद्धांत
3.6 सीमित प्रभाव का सिद्धांत

इकाई-4 जनसंचार के नियामक सिद्धांत

5.1 प्रभुत्ववादी सिद्धांत
5.2 उदारवादी सिद्धांत
5.3 साम्यवादी सिद्धांत
5.4 सामाजिक उत्तरदायित्व का सिद्धांत
5.5 लोकतांत्रिक सहभागिता का सिद्धांत

प्रायोगिकी/गृह कार्य

- संचार के सिद्धांतों एवं प्रारूप का व्यवहारिक जीवन में प्रयोग करना
- संचार कौशल का व्यवहारिक प्रशिक्षण देना
- समय के अनुसार व्यवहार परिवर्तन का प्रशिक्षण देना

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम

- संचार के सिद्धांतों की समझ विकसित करना
- संचार सिद्धांत को भारतीय परिपेक्ष्य में अनुप्रयोग में लाना

संदर्भ सूची

- संचार के सिद्धांत - आशा हींगड़ एवं अन्य –राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी , तृतीय संस्करण, 2012
- संचार के मूल सिद्धांत – डॉ. ओमप्रकाश सिंह,लोक भारती प्रकाशन , 2018
- सम्प्रेषण प्रतिरूप एवं सिद्धांत– डॉ. श्रीकांत सिंह, भारतीय पब्लिशर्स, फैजाबाद, 1992
- जनसंचार सिद्धांत एवं अनुप्रयोग– विष्णु राजगढिया, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008

एम.ए.जनसंचार, प्रथम सेमेस्टर, प्रश्नपत्र – II

जनमाध्यमों का विकास (मूल) (क्रेडिट - 04)

इकाई- 1 प्रिंट मीडिया का विकास

- विश्व पत्रकारिता का उद्भव एवं विकास
- भारत में पत्रकारिता का उद्भव एवं विकास
- प्रथम समाचार-पत्र एवं पत्रिकाएँ (अंग्रेजी, हिंदी व अन्य भारतीय भाषाओं के)
- स्वतंत्रता पूर्व भारत की पत्रकारिता
- स्वतंत्रता आन्दोलन और पत्रकारिता

इकाई-2 रेडियो का विकास

- विश्व में रेडियो का उद्भव एवं विकास
- भारत में रेडियो का उद्भव एवं विकास
- स्वतंत्रता आन्दोलन में रेडियो की भूमिका
- एफ एम चैनल्स का उद्भव एवं विकास

इकाई- 3 टेलीविजन का विकास

- विश्व में टेलीविजन का उद्भव एवं विकास
- भारत में टेलीविजन का आगमन और विकास
- टेलीविजन धारावाहिकों का इतिहास
- निजी चैनलों का आगमन एवं विकास
- निजी टेलीविजन चैनलों का आगमन एवं विकास

इकाई- 4 सिनेमा

- विश्व में सिनेमा का उद्भव एवं विकास
- भारत में सिनेमा का उद्भव एवं विकास
- सिनेमा के विविध प्रकारः कला, मनोरंजन, समानांतर एवं व्यावसायिक सिनेमा
- बालीवुड, क्षेत्रीय सिनेमा

प्रायोगिकी/गृह कार्य

- किसी पुराने समाचार पत्र और नए समाचार पत्र के ई पेपर का तुलनात्मक अध्ययन, किसी रेडियो बुलेटिन की समीक्षा, किसी टेलीविजन कार्यक्रम की समीक्षा। किसी फिल्म के कला पक्ष की समीक्षा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम

- विद्यार्थी जन माध्यमों के उद्भव और विकास से भलीभांति अवगत हो सकेंगे।

संदर्भ सूची

- बर्नहार्ड, जिम (2007). हाउ न्यूजपेपर्स गेट देयर नेम्स. कोलंबियाः यूनिवर्सिटी आफ मिसौरी प्रेस
- एंड्रिज, अलेक्जेंडर (डि.सं. 2011). द हिस्टी आफ ब्रिटिश जर्नलिज्म वोल्यूम-1. आर. बेंटली.
- दुबे, प्रो. श्यामाचरण (1986). संचार और विकास. नई दिल्लीः प्रकाशन विभाग, सूचना व प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार
- ली, चुनमिंग और झांग वी (2006). माइक्रोफिल्मिंग एंड डिजिटलाइजेशन आफ न्यूजपेपर्स इन चाइना. टोक्योः प्री कान्फ्रेंस आफ डब्लूएलआइसी 2006 प्रिजर्वेशन एंड कंजर्वेशन इन एशिया, नेशनल डिएट लाइब्रेरी, टोक्यो, आगस्ट 16 एंड 17 2006,
- इवेल, जैनेट. बलबेल, माइकेल. आस्टिन, इलेन. हैम रैंडी (2015). जर्नलिज्मः पब्लिशिंग एक्रास मीडिया. गुडहार्ट-विलकाक्स
- बोकार्ड ए. ग्रेगरी (2018). ए नरेटिव हिस्ट्री आफ अमेरिकन प्रेस. न्यूयार्कः राउटलेज,
- कौल, चंद्रिका (2003). रिपोर्टिंग द राजः द ब्रिटिश प्रेस ऐंड इंडिया सी 1880-1922. मैनचेस्टरः मैनचेस्टर यूनिवर्सिटी प्रेस.
- रौडाकोवा, नटालिया (2017). लूजिंग प्रावदा. कैंब्रिजः कैंब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस.
- कौल, चंद्रिका (2006). मीडिया ऐंड द ब्रिटिश इम्पायर. न्यूयार्कः पैलग्रेव मैकमिलन
- श्रीधर, विजय दत्त (2016). भारतीय पत्रकारिता कोश .नई दिल्लीः वाणी प्रकाशन.
- जे(चेतनक्रांति .आर-.सं) नटराजन .. भारतीय पत्रकारिता का इतिहास. दिल्लीः प्रकाशन विभाग. सूचना व प्रसारण मंत्रालयभारत सरकार ,
- मिश्र, कृष्णबिहारी. हिंदी पत्रकारिताः जातीय चेतना और खड़ी बोली साहित्य की निर्माण भूमि. दिल्लीः भारतीय ज्ञानपीठ
- अनुजामंगला .डा ,. भारतीय पत्रकारिताः नींव के पत्थर. भोपालः मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी
- मिश्रअच्युता ,नंद (सं.) हिंदी के प्रमुख समाचार पत्र और पत्रिकाएं (दो खंड). भोपालः माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय
- मिश्र, नवनीत. वाणी आकाशवाणीनई दिल्ली ,सूचना और प्रसारण मंत्रालय ,प्रकाशन विभाग ,
- कश्यप, श्याम और कुमारमुकेश,. टेलीविजन की कहानी ,दिल्लीः राजकमल प्रकाशननई दिल्ली ,
- पश्चिम और सिनेमा ,श्रीनेत दिनेश ,दिल्लीः वाणी प्रकाशननई दिल्ली ,
- हिंदी फिल्मों का संक्षिप्त इतिहासनई दिल्ली ,भारतीय पुस्तक परिषद ,दिलचस्प ,
- न्यू मीडिया ,हंस ,नवसंचार के जनाचार ,विशेषांक ,सोशल मीडिया-सितंबर 2018
- इंडिया कनेक्टेडः न्यू मीडिया के प्रभावों की समीक्षा ,(.सं) सुनेत्रा सेन नारायण और शालिनी नारायण ,दिल्लीः सेज भाषा
- Joglekar, K.G (2005) Press Freedom: The Indian Story, Publication Division, Ministry of Information and broadcasting, Govt of India

- Jeffrey, Robin (2000) *Indians Newspaper Revolution: Capitalism, Politics and the Indian-Language Press 1977-99*, New Delhi: Oxford University Press
- Ninan, Sevanti (2007) *Headlines from the Heartland: Reinventing the Hindi Public Sphere*, New Delhi: Thousand Oaks, Calif.: Sage Publications.

एम.ए.जनसंचार, प्रथम सेमेस्टर, प्रश्नपत्र- III
जनमाध्यमों की रिर्पोटिंग (मूल) (क्रेडिट - 04)

इकाई- 01 समाचार की अवधारणा एवं रिपोर्टिंग

1.1 समाचार : अर्थ,परिभाषा एवं अवधारणा
1.2 समाचार बोध, मूल्य
1.3 समाचार के स्त्रोत एवं प्रकार
1.4 रिपोर्टिंग के सिद्धांत,बिट
1.5 रिपोर्टर की विशेषताएँ,दायित्वएवं चुनौतियां

इकाई- 2 प्रिंट मीडिया रिपोर्टिंग तकनीक

2.1 समाचार की संरचना
2.2 रिपोर्टिंग तकनीक एवं उपकरण:समाचार पत्र ,पत्रिका एवं समाचार एजेंसी
2.3 लीड निर्धारण, बाइलाइन स्टोरी
2.4समाचार लेखन कौशल: 5W's, 1H
2.5 साक्षात्कार, प्रेस वार्ता, फालोअप स्टोरी, स्कूप्स

इकाई- 3 रेडियो एवं टीवी मीडिया रिपोर्टिंग तकनीक

3.1 रेडियो तथा टीवी समाचार की संरचना
3.2 रेडियो एवं टीवी रिपोर्टिंग तकनीक एवं उपकरण
3.3 रेडियो, टीवी साक्षात्कार तकनीक एवं प्रस्तुति,
3.4 रेडियो रिपोर्टिंग: समाचार कैप्सूल,रेडियो उद्घोषणा,क्षेत्र रिपोर्टिंग एवं वॉइस डिस्पैच
3.5 टीवी रिपोर्टिंग : पीस टू कैमरा, वॉइस ओवर, स्टिंग आपरेशन, लाइव रिपोर्टिंग,बुलेटिन, पैनल चर्चा , ब्रेकिंग समाचार

इकाई- 4 रिपोर्टिंग: विविध क्षेत्र

4.1 संसदीय रिपोर्टिंग
4.2 राजनीति रिपोर्टिंग
4.3 अपराध रिपोर्टिंग
4.4 विकासपरक एवं आर्थिक रिपोर्टिंग
4.5 खेल एवं फिल्म रिपोर्टिंग

प्रायोगिकी/गृह कार्य

- प्रिंट मीडिया, रेडियो तथा टीवी मीडिया में विविध समाचारों की प्रस्तुति का विश्लेषणात्मक अध्ययन करना।
- आसपास की घटनाओं पर वृत्त संकलित कर समाचार लेखन का कार्य करना।
- विश्वविद्यालय स्तरीय कार्यक्रमों के समाचार रिपोर्टिंग का कार्य करना।
- विविध समसामयिक तथा तात्कालिक विषयों का अध्ययन तथा लेखन करना।
- टीवी मीडिया के समाचार बुलेटिन तैयार करना।
- रेडियो मीडिया के लिए समाचार कैप्सूल तैयार करना।
- समूह में विद्याथियों द्वारा क्षेत्र रिपोर्टिंग का कार्य करना।
- रिपोर्टिंग के व्यावसायिक प्रशिक्षण हेतु विद्यार्थियों को मीडिया समूह में इंटर्नशिप हेतु भेजकर रिपोर्ट प्रस्तुत करना।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम

- विद्यार्थियों में समाचार रिपोर्टिंग एवं लेखन का कौशल विकसित करना।
- प्रिंट मीडिया, रेडियो तथा टीवी मीडिया में रिपोर्टर के रूप में कार्य करने हेतु विद्यार्थियों को तैयार करना।
- मीडिया रिपोर्टिंग तकनीक तथा संसाधनों का प्रयोग करने की कुशलता निर्माण करना।
- समाचार एजेंसी में रिपोर्टर के कार्य करने हेतु विद्यार्थियों को तैयार करना।

संदर्भसूची

- समाचार लेखन आर्य .के.पी :, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
- समाचार फीचर लेखन एवं संपादन कला हरिमोहन :, तक्षशिला पब्लिकेशन, नई दिल्ली
- भारतीय इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, लेखक- डॉ. देवव्रत सिंह, प्रकाशक- प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
- खोजी पत्रकारिता – एच भीष्मपल .प्रकाशन विभाग -1988
- ब्रेकिंग न्यूज- पूण्य प्रसून वाजपेयी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2000
- साइबर पत्रकारिता-विजय कुल श्रेष्ठ, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, 2012
- क्लास रिपोर्टर- जयप्रकाश त्रिपाठी, अमन प्रकाशन कानपुर, 2014
- टेलीविजन समाचार लेखन और वाचन,लेखक-एचएच मुस्तफा जैदी,प्रकाशक- सुलभ प्रकाशन, लखनऊ।
- एंकर रिपोर्टर, लेखक- पुण्य प्रसून बाजपेई, प्रकाशक- राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- Reporting for Newspapers, Magazines, Radio & T.V.: B.N. Ahuja & S.S. Chhabra
- News Reporting & Editing: K.M. Shrivastava, Sterling Publishers, New Delhi
- News writing and Reporting: James M. Neal & Suzanne S. Brown, Blackwell, reprinted in India by Surjeet, .2007
- News Reporting and Writing: Alfred Lawrence Lorenz & John Vivian, Pearson Education, .2006
- "News Reporting and Writing". Mencher, Melvin, New York. McGraw Hill Pub. .2003

एम.ए.जनसंचार, प्रथम सेमेस्टर, प्रश्नपत्र – IV

जनमाध्यमों का संपादन (मूल) (क्रेडिट 04)

इकाई- 01 प्रिंट मीडिया एवं फिल्म माध्यम संपादन तकनीक

- संपादन : अवधारणा, आवश्यकता एवं महत्व
- संपादन : दायित्व एवं सावधानियां
- समाचारपत्र संपादन
- समाचार पत्रिका संपादन
- फिल्म पत्रकारिता के लिए संपादन
- संपादन साफ्टवेयर : क्वार्क एक्सप्रेस एडोब पेजमेकर एवं इन डिजाइन

इकाई - 02 रेडियो माध्यम संपादन तकनीक

- संपादन : अवधारणा, आवश्यकता एवं महत्व
- संपादन : दायित्व एवं सावधानियां
- ऑडियो रिकाडिंग तकनीकी एवं उपकरण
- माइक्रोफोन : प्रकार एवं चयन
- संपादन साफ्टवेयर : ऑडासिटी, साउण्ड फोर्ज एवं पॉवर गोल्ड

इकाई- 03 टेलीविजन माध्यम संपादन तकनीक

- संपादन : अवधारणा, आवश्यकता एवं महत्व
- संपादन : दायित्व एवं सावधानियां
- विडियो रिकार्डिंग तकनीक एवं उपकरण
- टेलीविजन कार्यक्रमों का संपादन
- संपादन साफ्टवेयर : एडोब, शॉर्टकट एवं एफ सी पी

इकाई - 04 वेब माध्यम संपादन तकनीक

- संपादन : अवधारणा, आवश्यकता एवं महत्व
- संपादन : दायित्व एवं सावधानियां
- ऑनलाइन सामग्री की सुरक्षा तकनीक
- साइबर सुरक्षा संबंधी नीति
- ऑनलाइन वेब सामग्री का संपादन

प्रायोगिकी /गृह कार्य

- समाचारपत्र की कापी तैयार करना
- फिल्मों के समाचारों में आवश्यकता के अनुरूप संशोधन करना
- समाचार पत्रिका के समाचारों का संपादन करना
- टेलीविज़न समाचारों को आवश्यक के अनुरूप विकसित करना
- रेडियो कार्यक्रम का निर्माण एवं संपादित करना
- ऑनलाइन वेब सामग्री को आवश्यकता के अनुसार निर्माण एवं संशोधन

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम

- समाचारपत्र संपादन करने की क्षमता का विकास
- फिल्मों के समाचारों में आवश्यक के अनुरूप बनानें की क्षमता
- समाचार पत्रिका संपादन करने की क्षमता का विकास
- टेलीविज़न समाचारों को आवश्यक के अनुरूप विकसित करने में सक्षम
- रेडियो कार्यक्रम का निर्माण एवं संपादित करने में सक्षम
- ऑनलाइन वेब सामग्री को आवश्यकता के अनुसार निर्माण एवं संशोधन की क्षमता

संदर्भ सूची

- मास कम्युनिकेशन इन इंडिया (हिंदी एवं अंग्रेजी संस्करण), लेखक- केवल जयकुमार, प्रकाशकजायको -, पब्लिकेशन मुंबई।
- टेलीविजन समाचार लेखन और वाचन, लेखक- एचएच मुस्तफा जैदी, प्रकाशक- सुलभ प्रकाशन, लखनऊ ।
- एंकर रिपोर्टर, लेखक- पुण्य प्रसून बाजपेई, प्रकाशक- राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- भारतीय इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, लेखक- डॉ देवव्रत सिंह, प्रकाशक- प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
- दूरदर्शन माध्यम और तकनीक, लेखक- डॉ. धरवेश कठेरिया, प्रकाशक- नेहा प्रकाशन, दिल्ली।
- रेडियो माध्यम और तकनीक, डॉ. धरवेश कठेरिया, प्रकाशक- शिल्पायन पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली।

एम.ए.जनसंचार,प्रथम सेमेस्टर, प्रश्नपत्र -V
जनसंपर्क एवं कॉर्पोरेट संचार (ऐच्छिक) (क्रेडिट - 04)

इकाई -1 जनसंपर्क : अवधारणा व स्वरूप

1.1. जनसंपर्क: अर्थ,परिभाषा, उद्देश्य एवं महत्व
1.2. जनसंपर्क का उद्भव एवं विकास
1.3. जनसंपर्क के क्षेत्र एवं कार्य
1.4. जनसंपर्क के उपकरण तथा तकनीक,ई- जनसंपर्क, गृहपत्र
1.5. संस्थागत जनसंपर्क :सरकारी,सार्वजनिक, निजी

इकाई -2 जनसंपर्क का व्यावसायिक संगठनात्मक स्वरूप

2.1. जनसंपर्क : व्यावसायिक संगठन
2.2. जनसंपर्क: बजट एवं मूल्यांकन
2.3. जनसंपर्क : प्रशिक्षण एवं अनुसंधान
2.4. जनसंपर्क अधिकारी की विशेषताएं,दायित्व एवं चुनौतियां
2.5. जनसंपर्क : आपदा प्रबंधन, संकटकालीन (Crisis) प्रबंधन

इकाई -3कार्पोरेट संचार : अवधारणा एवं स्वरुप

3.1. कार्पोरेट संचार की अवधारणा
3.2. कार्पोरेट संचार का इतिहास
3.3. कॉर्पोरेट संचार के प्रमुख सिद्धांत
3.4. कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व एवं इवेन्ट प्रबंधन
3.5. कॉर्पोरेट संचार और जनसंपर्क में अंतर्संबंध

इकाई -4 कॉर्पोरेट संचार के विविध आयाम

4.1. स्टेक होल्डर थ्योरी
4.2. संचार रणनीति
4.3. कॉर्पोरेट पहचान
4.4. कॉर्पोरेट लॉबिंग, एडोकेसी
4.5. कॉर्पोरेट संचार : उपभोक्ता संबंध,कर्मचारीसंबंध, निवेशक संबंध, मीडिया संबंध, विपणन संबंध

प्रायोगिकी/गृहकार्य

- विविध कार्यक्रमों तथा गतिविधियों का समाचार लेखन करना।
- जनसंपर्क विभाग में होनेवाले कार्य से विद्यार्थियों को परिचित कर रिपोर्ट तैयार करना।
- जनसंपर्क के विविध उपकरणों के माध्यम से प्रचार कार्य का विश्लेषण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करना।
- सरकारी जनसंपर्क अभियान का विश्लेषण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करना।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम

- जनसंपर्क अधिकारी के रूप में कार्य करने हेतु क्षमता विकसित करना।
- जनसंपर्क तथा कॉर्पोरेट क्षेत्र में कार्य करने हेतु तैयार करना।
- जनसंपर्क क्षेत्र में आए तकनीकी बदलाव से परिचित करना।
- कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व तथा इवैंट प्रबंधन के क्षेत्र में कार्य करने हेतु तैयार करना।

संदर्भ सूची

- द रोल ऑफ पब्लिक रिलेशन्स इन मैनेजमेंट – सेम ब्लैक, यूनिवर्सल बूक स्टाल, नई दिल्ली
- भारत में जनसंपर्क– बलदेव राज गुप्ता, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- मास कम्युनिकेशन एण्ड जर्नलिज़्म इन इंडिया मेहता .एस.डी -:एलाइड पब्लिशर्स, नई दिल्ली
- जनसंपर्क– चंद्रकांत सरदाना एवं सुषमा कस्बेकर, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर
- जनसंपर्क, प्रचार एवं विज्ञापन – डॉ विजय कुलश्रेष्ठ, राजस्थान प्रकाशन, जयपुर
- जनसंपर्क एवं विज्ञापन– डॉ सुधीर सोनी, यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन, जयपुर
- जनसंचार विश्वकोश -रमेश जैन प्रो -नेशनल पब्लिशिंग हाउस, जयपुर
- जनसंपर्क एवं विज्ञापन– डॉ निशांत सिंह,राधा पब्लिकेशन, नई दिल्ली
- Brand Equity & Advertising- Advertising's role in building strong brands, -2013David A. Aker, Alexander L. Biel, Psychology Press
- Brand Positioning – Strategies for Competitive Advantage, Subroto Sengupta, 2005, Tata McGraw Hill Publication.

एम.ए.जनसंचार, प्रथम सेमेस्टर, प्रश्नपत्र - VI
मीडिया लेखन (ऐच्छिक) (क्रेडिट - 02)

इकाई- 01 प्रिंट मीडिया एवं फिल्म पत्रकारिता के लिए लेखन

- समाचारपत्र के लिए लेखन
- समाचार पत्रिकाओके लिए लेखन
- समाचार समितियों के लिए लेखन
- प्रिंट लेखन की विशेषताएं, दायित्व एवं चुनौतियां
- फिल्मपत्रकारिता के लिए लेखन

इकाई - 02 रेडियो,टेलिविजन एवं वेब माध्यम के लिए लेखन

- इलेक्ट्रॉनिक माध्यम लेखन की भाषा एवं प्रस्तुति
- इलेक्ट्रॉनिक माध्यम लेखन की सावधानियां एवं चुनौतियां
- रेडियोमाध्यम के लिए लेखन
- टेलीविज़नमाध्यम के लिए लेखन
- वेब माध्यम के लिए लेखन

प्रायोगिकी/गृहकार्य

- टेलीविज़नकार्यक्रमों के लिए लेखन का अभ्यास
- पीस टू कैमरा एवं वायस ओवर का अभ्यास
- टेलीविज़न समाचार लेखन का अभ्यास
- रेडियो के लिए लेखन का अभ्यास
- वेब माध्यम के लिए लेखन एवं प्रायोग

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम

उक्त पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को विभिन्न मीडिया संस्थानों में कैरियर के विकल्प चुनने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थियों में रिपोर्टर, संपादक, फिल्म पत्रकार के रूप में रेडियो टेलीविजन एवं वेब के क्षेत्र में, कैरियर बनाने का अवसर प्राप्ता होगा।

संदर्भ सूची

- टेलीविजन समाचार लेखन और वाचन,लेखक-एचएच मुस्तफा जैदी,प्रकाशक- सुलभ प्रकाशन, लखनऊ।
- एंकर रिपोर्टर, लेखक- पुण्य प्रसून बाजपेई, प्रकाशक- राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- भारतीय इलेक्ट्रॉनिक मीडिया,लेखक- डॉ देवव्रत सिंह, प्रकाशक- प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
- दूरदर्शन माध्यम और तकनीक,लेखक-डॉ. धरवेश कठेरिया,प्रकाशक- नेहा प्रकाशन, दिल्ली।
- फिल्मपत्रकारिता,लेखक- विनोद तिवारी,प्रकाशक- वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
- इंटरनेटपत्रकारिता,लेखक- सुरेश कुमार,प्रकाशक- तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
- रेडियो माध्यम और तकनीक,डॉ. धरवेश कठेरिया,प्रकाशक- शिल्पायन पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स,दिल्ली।

एम.ए.जनसंचार, द्वितीय सेमेस्टर, प्रश्नपत्र - I
मीडिया विधि एवं आचार संहिता (मूल) (क्रेडिट - 04)

इकाई एक

- भारत में स्वतन्त्रता पूर्व एवं पश्चात प्रेस कानून
- प्रेस की स्वतंत्रता की अवधारणा
- भारतीय संविधान में प्रेस स्वतंत्रता का स्थापत्य
- प्रेस स्वतंत्रता पर युक्तियुक्त निर्बंधन, आपातकाल
- वैश्विक प्रसार की मीडिया और नियमन

इकाई दो

- प्रेस एवं पुस्तक पंजीकरण अधिनियम 1867
- शासकीय गोपनियता अधिनियम 1923
- न्यायलय की अवमानना अधिनियम 1971
- मीडिया को प्रभावित करने वाले भारतीय दंड संहिता 1860 के प्रावधान
- आपराधिक दंड प्रक्रिया संहिता प्रमुख प्रावधान के (1973)

इकाई तीन

- प्रेस परिषद अधिनियम 1978
- श्रमजीवी पत्रकार अधिनियम 1955
- सूचना का अधिकार अधिनियम 2005
- बौद्धिक संपदा संरक्षण की अवधारणा, नियमन और मीडिया में उपयोग
- सिनेमेटोग्राफी अधिनियम 1952
- टेलीकॉम रेग्युलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया एक्ट 1997

इकाई चार

- प्रसार भर्ती अधिनियम 1990
- सूचना प्रोद्योगिकी अधिनियम 2000 व संशाधित नियम 2011
- संसद एवं राज्य विधान मंडलों के विशेषाधिकार
- प्रेस आयोग का स्थापत्य एवं भूमिका (प्रथम व द्वितीय प्रेस आयोग)
- रेडियो एवं टेलीविजन प्रसारण की आचार संहिता
- सामाजिक निर्माण, मूल्य और नैतिकता के वैधानिक एवं पत्रकारीय दृष्टिकोण

प्रायोगिकी/गृहकार्य

- पाठ्यचर्या से संबंधित विभिन्न अद्यतन उदाहरण एवं प्रकरण को जनमाध्यमों में अवालोकित कराना .
- संचार एवं सूचना संबंधी अधिनियमों की व्याख्याओं को मीडिया संस्थानों में उपयोग व संचालन करने की व्यवस्थाओं का प्रतिरूप देखना.
- मीडिया विधि के संदर्भ तथा आख्यानों को समझाना .
- समकालीन मीडिया में मीडिया विधि के नैतिक पक्ष को खोजना.
- मूल्यपरक उदाहरणों को संकलित करना.
- मीडिया विधि के पालन एवं उल्लंघन की समीक्षा करना.

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम

- मीडिया विधि के विविध आयामों से अवगत होनापित करना गरिमा को स्थाविद्यार्थियों में पत्रकारीय पेशे की उच्च . . के अनुपानार्थ मीडिया विधि एवं संबंधित वैधानिक अनुक्रमों का ज्ञान एवं प्रशिक्षणव प्रतिष्ठाय महत्वतथा राष्ट्री मीडिया की नैतिकता तथा अनुशासनात्मक अभिव्यक्ति को स्थापित करने हेतु सक्षम व्यावसायिक व्यक्तियों का निर्माण संभव.

संदर्भ सूची

- शर्मा ब्रजकिशोर, भारत का संविधान.प्रेंटिस हॉल ऑफ इंडिया : नई दिल्ली .
- त्रिखा नंदकिशोर.विद्यालय प्रकाशनविश्व :वाराणसी .प्रेस विधि .
- Neelmalar, M. (2016). Media Law and Ethics. New Delhi: PHI Learning Private Limited.
- Jain, M.P. (2008). Indian Constitution Law. Nagpur: Wadhwa& Company.
- Wadehra, B.L. (2003). Patents Trade Marks Copyright Designs & Geographical Indications. New Delhi, Universal Law Publishing.
- Dhirajlal&Ratanlal. The Indian Penal Code.Nagpur, Wadhwa& Company.

एम.ए.जनसंचार, द्वितीय सेमेस्टर, प्रश्नपत्र - II
वेब पत्रकारिता (मूल) (क्रेडिट - 04)

इकाई - 1:वेब पत्रकारिता : अवधारणा एवं स्वरूप

- साइबर युग का आरंभ एवं तकनीक संचार व्यवस्था
- संचार प्रौद्योगिकी का विस्तार
- संचार प्रौद्योगिकी के प्रमुख कार्य क्षेत्र
- मीडिया कनवर्जेन्स
- मल्टीमीडिया उपकरण

इकाई - 2:विविध वेब जनमाध्यम :

- वेब पोर्टल, ब्लॉग एवं ब्लॉगिंग तकनीक
- फेसबुक
- ट्विटर
- इंस्टाग्राम
- व्हाट्सएप्प
- यूट्यूब

इकाई - 3:वेब संचालन तकनीक एवं प्रबंधन

- ऑडियो संपादन तकनीक एवं सॉफ्टवेयर
- वीडियो संपादन तकनीक एवं सॉफ्टवेयर
- फोटो संपादन तकनीक एवं संपादन
- ऑनलाइन सामग्री की सुरक्षा तकनीक
- साइबर सुरक्षा संबंधी नीति

इकाई - 4:वेब निर्माण : लेखन एवं संपादन

- वेब माध्यमों के लिए लेखन
- वेब माध्यमों की भाषा शैली-
- वेब लेखन की चुनौतियां व सावधानियां
- वेब माध्यमों हेतु विषयवस्तु संकलन
- वेब सामग्री का संपादन

प्रायोगिकी/गृहकार्य

- वेब माध्यमों की अद्यतन जानकारी उपलब्ध कराना व संचालन
- ऑनलाइन माध्यमों पर कार्य निष्पादन
- ऑडियो-वीडियो सामग्री का ऑनलाइन प्रयोग
- ब्लॉग व यू-ट्यूब चैनल निर्माण व विषयवस्तुर संपादन

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम

- नवजनमाध्यमों की कार्यशैली से समकालीन संदर्भ में तकनीकी दक्ष विद्यार्थी। तकनीकी एवं साफ्टवेयर पर कार्य प्रशिक्षण से आत्मविश्वास से परिपूर्ण मीडिया कर्मी का निर्माण। मीडिया जगत में संभावी रोजगार के लिए कुशल पत्रकारिता का संचालन।

संदर्भ सूची

- साइबर पत्रकारिता, लेखक-विजय कुलश्रेष्ठम,प्रकाशक-राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी,जयपुर,राजस्थान।
- An Introduction to Cyber Law,Writer,JP Mishra,Central Law Publication,Allahabad,UP.
- भारतीय इलेक्ट्रॉनिक मीडिया,लेखक- डॉ देवव्रत सिंह, प्रकाशक- प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
- इंटरनेटपत्रकारिता,लेखक- सुरेश कुमार,प्रकाशक- तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
- जनमाध्यम और भारतीय संस्कृति,लेखक-धरवेश कठेरिया,प्रकाशक- शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली।

एम.ए.जनसंचार, द्वितीय सेमेस्टर, प्रश्नपत्र - III
गांधी और अम्बेडकर की पत्रकारिता (मूल) (4 क्रेडिट)

इकाई-1 महात्मा गांधी के सिद्धांत

- महात्मा गांधी के मुख्य विचारः सत्य, अहिंसा
- सत्याग्रह, सर्वोदय
- एकादश ब्रत, रचनात्मक कार्यक्रम, ग्राम स्वराज
- हिंद स्वराज

इकाई-2 महात्मा गांधी की पत्रकारिता

- इंडियन ओपिनियन
- यंग इंडिया
- नवजीवन
- हरिजन

इकाई-3 अम्बेडकर के विचार

- स्वतंत्रता
- समानता
- बंधुता
- शिक्षा

इकाई-4 अम्बेडकर की पत्रकारिता

- मूकनायक
- बहिष्कृत भारत
- समता
- जनता
- प्रबुद्ध भारत

प्रायोगिकी/गृह कार्य

- गांधी हेरिटेज पोर्टल डाट ओआरजी आर्काइव में जाकर गांधी द्वारा संपादित समाचार पत्रों का अवलोकन और अध्ययन। अंबेडकर के समाचार पत्रों का वस्तु विवेचन।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम

- संचारक के रूप में गांधी के महत्व को और अम्बेडकर के सामाजिक न्याय के सिद्धांत के प्रति विद्यार्थी समझ बना सकेंगे और उनके पत्रकारीय मूल्यों को आत्मसात कर सकेंगे।

संदर्भ सूची

- गांधी, मो.क. (2018)सत्य के साथ मेरे प्रयोग. अहमदाबादः नवजीवन ट्रस्ट
- गांधी, मो.क. (2017)दक्षिण भारत के सत्याग्रह का इतिहास. वाराणसीः सर्व सेवा संघ
- गांधी, मो.क. (2018) हिंद स्वराज. अहमदाबादः नवजीवन ट्रस्ट
- महात्मा गांधी के विचार. दिल्लीः प्रकाशन विभाग
- गांधी, मो.क.(2012) मेरे सपनों का भारत. वाराणसीः सर्व सेवा संघ

- श्यौराज सिंह बेचैन, 2014 अम्बेडकर गांधी और दलित पत्रकारिता अनामिका पब्लिशर्स :नई दिल्ली .
- Dr. Babasaheb Ambedkar: The Architect of Modern India, 125th Birth Anniversary (Ed) RashtrasantTukadoji Maharaj Nagpur University, Nagpur
- Pradeep Aglave (2014). Dr Ambedkar on Nation and Nationalism. Nagpur: BSPK Book Publishing Company
- Dilip Kumar Jauhar (2014). Ambedkarism& Buddhism. Delhi: Ekta Prakashan
- Pradeep Hadke(Ed.) (2015). Dr. Babasaheb Ambedkar: Vision and 21stcentury. Nagpur: Dr Ambedkar Teachers' Welfare Association.

एम.ए.जनसंचार, तृतीय सेमेस्टर, प्रश्नपत्र - IV
सतत् एवं समवेशी विकास संचार (मूल) (क्रेडिट –04)

इकाई- 1 **विकास : अर्थ, परिभाषा एवं अवधारणा**

- विकास का उद्देश्य, महत्त्व, कारक एवं तत्त्व
- सतत्एवंसमावेशीविकास
- विकसितएवंविकासशीलसमाज : स्वरूपएवंअंतर
- महात्मा गांधी का वैकल्पिक विकास मॉडल

इकाई- 2 **विकास के विभिन्न मुद्दे**

- गरीबी, भूख, शिक्षा, बेरोजगारी
- लैंगिक असमानता, महिला एवं बाल विकास
- निम्न जीवन स्तर,पर्यावरण एवं कृषि
- विकास सूचकांक- **HDI, GDP**
- संयुक्त राष्ट्र संघ और सतत् विकास लक्ष्य

इकाई- 3 **विकास संचार सिद्धांत**

- विकास संचार
- विकास सहयोगी संचार
- सहभागी विकास संचार
- निर्भरता का सिद्धांत
- नवाचार का विस्तार

इकाई- 4 **सतत् विकास - परियोजनाएं**

- सतत विकास की कार्यदायी संस्थाएँ - **UNDP, NITI**
- सतत् विकास की परियोजनाएं
- साइट और खेड़ा प्रोजेक्ट
- बांग्लादेश ग्रामीण बैंक
- सतत् विकास लक्ष्य एवं मीडिया की भूमिका

प्रायोगिकी/गृहकार्य

- एक गाँव के विकास एवं वहाँ चल रहे विकास योजनाओं का अध्ययन।
- विकास सम्बंधी खबरों की रिपोर्टिंग करना।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम

- छात्र/ छात्राएँ विकास एवं संचार के अंतरसंबंध को समझेंगे।
- छात्र/छात्राएँ सतत विकास लक्ष्य एवं भारत के वर्तमान स्थिति का विश्लेषण करेंगे।
- छात्र/ छात्राएँ गाँव के विकास में आए अवरोध एवं उसके निदान बेहतर समझ पाएँगे।

संदर्भ सूची

- डॉ सुशील त्रिवेदी & डॉ शशिकांत शुक्ल(2013). विकास संचार और पत्रकारिता, दिल्ली : प्रिया पुस्तक सदन
- राधेश्याम शर्मा (2014). विकास पत्रकारिता, केंद्रीय वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, पंचकुला
- विकास संचार के विविध परिदृश्य – चंद्रा शेखर यादव, हिमाद्रि पब्लिकेशन
- Mass Communication In India, Kewal J. Kumar. Jaico Publication.
- Communication for Development in the Third World- Srinivas R Melkote and H Leslie Steeves. SagePublication
- Development Communication- Theory and Practice, Uma Narula ,Har Anand Publications
- India Development and Participation- Jean Dreze& Amartya Sen, Oxford University Press

एम.ए.जनसंचार, द्वितीय सेमेस्टर, प्रश्नपत्र - V
विज्ञापन (ऐच्छिक) (क्रेडिट - 04)

इकाई-01 विज्ञापन: अवधारणा एवं विकास

1.1 विज्ञापन अर्थ :, परिभाषा, उद्देश्य एवं महत्व
1.2 विज्ञापन उद्भव एवं विकास
1.2 विज्ञापन के तत्त्व एवं कार्य
1.4 विज्ञापन एवं माध्यम चयन
1.5 विज्ञापन के प्रकार

इकाई :- 02 विज्ञापन: विपणन सिद्धांत एवं उपभोक्ता व्यवहार

2.1 विज्ञापन एवं विपणन संचार
2.2 विपणन सिद्धांत
2.3 आयडा सिद्धांत
2.4 डेगमार सिद्धांत
2.5 उपभोक्ता व्यवहार सिद्धांत

इकाई- 03 विज्ञापन: कॉपी लेखन एवं निर्माण तकनीक

3.1 प्रिंट विज्ञापन कॉपी लेखन
3.2 रेडियो विज्ञापन कॉपी लेखन
3.3 टीवी विज्ञापन कॉपी लेखन
3.4 टीवी, रेडियो विज्ञापननिर्माणतकनीक
3.5 आउटडोर विज्ञापन

इकाई- 04 विज्ञापन: एजेंसियों की संरचना व प्रक्रिया

4.1 विज्ञापन एजेंसी की संरचना
4.2 विज्ञापन एजेंसी के कार्य
4.3 विज्ञापन एजेंसी और ग्राहक संबंध
4.4 विज्ञापन की आचार संहिता
4.5 भारतीय विज्ञापन मानक परिषद

प्रायोगिकी/गृहकार्य

- प्रिंट, रेडियो, टीवी तथा इंटरनेट मीडिया के विज्ञापनों का अध्ययन कर रिपोर्ट प्रस्तुत करना।
- प्रिंट, रेडियो, टीवी मीडिया के लिए कॉपी लेखन करना।
- प्रिंट, रेडियो, टीवी मीडिया के लिए विज्ञापन तैयार कर प्रस्तुत करना।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम

- विज्ञापन तकनीक का कौशल विकसित करना।
- विविध मीडिया के विज्ञापन कॉपी लेखन का कौशल विकसित करना।
- विविध मीडिया के विज्ञापन निर्माण की तकनीक की कुशलता विकसित करना।
- विज्ञापन उद्योग, विज्ञापन एजेंसी के क्षेत्र में कार्य करने हेतु तैयार करना।
- स्लोगन, जींगल तैयार करने की क्षमता विकसित करना।

संदर्भसूची

- विज्ञापन – सिद्धांत एवं प्रयोग: डॉ विजय कुलश्रेष्ठ, माया प्रकाशन मंदिर, जयपुर
- एडवरटाइजिंग– आर्ट एण्ड आइडियाज़ : जी ,रेगे .एम. आशितोष प्रकाशन, मुंबई
- विज्ञापन– व्यवसाय एवं कला: रामचन्द्र तिवारी, आलेख प्रकाशन, जयपुर
- जनसंपर्क एवं विज्ञापन– डॉ निशांत सिंह,राधा पब्लिकेशन, नई दिल्ली
- विज्ञापन निर्माण एवं प्रक्रिया– डॉ निशांत सिंह, रणविजय प्रकाशन, गाजियाबाद
- विज्ञापन तकनीक एवं सिद्धांत– नरेंद्र सिंह यादव, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर
- विज्ञापन की दुनिया – कुमुद शर्मा, प्रतिभा प्रतिष्ठान, नई दिल्ली
- Advertising and Promotion : An Integrated Marketing Communications Perspective George Belch and Michael Belch, 2015, 10th Edition, McGraw Hill Education
- Contemporary Advertising, 2017, 15th Edition, William Arens, Michael Weigold and Christian Arens, Hill Higher Education
- Kleppner's Advertising Procedure – Ron Lane and Karen King, 18th edition, 2011– Pearson a. Education Limited
- Advertising: Planning and Implementation, 2006– Raghuvir Singh, Sangeeta Sharma – Prentice Hall Advertising Management, 5th Edition, 2002– Batra, Myers and Aaker – Pearson Education
- Advertising Principles and Practice, - 2012Ruchi Gupta – S.Chand Publishing
- Brand Positioning – Strategies for Competitive Advantage, Subroto Sengupta, 2005, Tata McGraw Hill Publication.
- The Advertising Association Handbook - J. J. D. Bullmore, M. J. Waterson, - 1983Holt Rinehart & Winston
- Integrated Advertising, Promotion, and Marketing Communications, Kenneth E. Clow and Donald E. Baack, 5th Edition, 2012– Pearson Education Limited
- Kotler Philip and Eduardo Roberto, Social Marketing, Strategies for Changing Public Behaviour, 1989, The Free Press, New York.
- Confessions of an Advertising Man, David Ogilvy, 2012, Southbank Publishing
- Advertising, 10th Edition, - 2010Sandra Moriarty, Nancy D Mitchell, William D. Wells, Pearson

एम.ए.जनसंचार, द्वितीय सेमेस्टर ,प्रश्नपत्र- VI
(भारतीय संचारक)क्रेडिट-2

इकाई – 1

- अभिनव गुप्त
- रविन्द्रनाथ टैगोर
- स्वामी विवेकानंद
- मदनमोहन मालवीय

इकाई – 2

- डॉ. राज मनोहर लोहिया
- जय प्रकाश नारायण
- दीनदयाल उपाध्याय
- श्यामा प्रसाद मुखर्जी

प्रायोगिकी/ गृह कार्य

- भारतीय संचारकों के अवदान का विस्तृत विवेचन
- संचार के सिद्धांतों एवं भारतीय दर्शन के अंतरसंबंधो काविवेचन

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम

- छात्र/ छात्राएँ भारत की संचार एवं दर्शन के अंतरसंबंध को समझेंगे
- भारतीय संचारकों के योगदान को समझेंगे

संदर्भ सूची

- आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिन्तन – डॉ. बी.आर.पुरोहित, 2017 मानव संसाधन विकास मंत्रालय, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी
- सत्य के प्रयोग अथवा आत्मकथा – मो. क. गांधी, नवजीवन प्रकाशन
- हिंद स्वराज- महात्मा गांधी, नवजीवन प्रकाशन
- एकात्म मानववाद – दीनदयाल उपाध्याय, प्रभात प्रकाशन
- आधुनिक भारत के निर्माता- मदनमोहन मालवीय, सीताराम चतुर्वेदी, प्रकाशन विभाग, सूचना और प्रसारण मंत्रालय
- प्रमुख राजनीतिक विचारक – वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल

एम.ए. जनसंचार, तृतीय सेमेस्टर, प्रश्नपत्र - I

संचार शोध प्रविधि (मूल) (4 क्रेडिट)

इकाई-1 शोध की अवधारणा

1.1 शोध एवं मीडिया शोध की अवधारणा
1.2 वैज्ञानिक शोध के दृष्टिकोण
1.3 वैज्ञानिक शोध के तत्व
1.4 शोध के उद्देश्य एवं सीमाएं
1.5 सामाजिक शोध एवं मीडिया शोध में अंतर्संबंध

इकाई-2 शोध कार्यविधि

2.1 साहित्य पुनरावलोकन
2.2 चर-प्रकार, परिभाषा, अर्थ, महत्व
2.3 परिकल्पना (अर्थ, परिभाषा, प्रकार)
2.4 शोध विधियां (सर्वेक्षण, अंतर्वस्तु विश्लेषण, व्यक्तिक अध्ययन)
2.5 आकड़ा संग्रह उपकरण (प्रश्नावली, अनुसूची, साक्षात्कार, अवलोकन)

इकाई-3 शोध अभिकल्प

3.1 गुणात्मक शोध एवं मात्रात्मक शोध व मिक्स्ड मेथड
3.2 मौलिक एवं अनुप्रयुक्त शोध
3.3 वर्णात्मक एवं विश्लेष्णात्मक शोध
3.4 अनुभवजन्य एवं वैचारिक शोध
3.5 निदर्शन

इकाई -4 आकड़ों का विश्लेषण एवं विवेचन

4.1 फीडबैक स्टडी, फीडफॉरवर्ड स्टडी, फोकस ग्रुप स्टडी,
4.2 डाटा के प्रकार (प्राथमिक डाटा एवं द्वितीय डाटा) (नोमिनल, ओर्डिनल, स्केल, रेश्यो)(पैरामीट्रिक, नॉन-पैरामीट्रिक) (गुणात्मक एवं मात्रात्मक)
4.3 डाटा प्रोसेसिंग (कोडिंग, वर्गीकरण, सारणीकरण)

प्रायोगिकी/गृह कार्य

- शोध दृष्टि विकसित कराना
- शोध पेपर प्रस्तुत कराना
- माइनर प्रोजेक्ट तैयार करना
- शोध पेपर लिखना
- रिसर्च डिजाइन बनाना

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम

- जनसंचार शोध प्राविधि का परिचय एवं अनुप्रयोग कराना.
- पत्रकारिता में शोध की उपयोगिता से परिचय कराना.
- मीडिया के विभिन्न विषयों एवं मुद्दों पे शोध करने हेतु सही प्राविधि एवं तकनीक का उपयोग करने हेतु प्रशिक्षण

संदर्भ सूची

- मीडिया शोध – डॉ. मनोज दयाल, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकुला , 2003
- अनुसंधान परिचय–सी. पी. पारसनाथ राय एवं भटनागर चंद लक्ष्मीनारायण प्रकाशन, आगरा, 1973
- सामाजिक अनुसंधान– सुरेन्द्र सिंह, उत्तर प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमि 1995

एम.ए. जनसंचार, तृतीय सेमेस्टर, प्रश्नपत्र - II

फोटो पत्रकारिता एवं तकनीक (मूल) (4 क्रेडिट)

इकाई 1: फोटो पत्रकारिता की अवधारणा

1.1 फोटो पत्रकारिता की विकास यात्रा
1.2 फोटो पत्रकार के गुण एवं दायित्व
1.3 फोटो पत्रकारिता की चुनौतियां
1.4 फोटो पत्रकारिता की सावधानियां
1.5 फोटो पत्रकारिता का महत्व

इकाई 2: कैमरे का परिचय एवं तकनीकी

2.1 फोटो कैमरे का परिचय
2.2 लेंस का परिचय एवं प्रकार
2.3 कैमरा शटर स्पीड
2.4 कैमरा अपर्चर
2.5 आईएसओ सेंसर

इकाई 3: फोटो पत्रकारिता का तकनीकी पक्ष

3.1 कैमरा एंगल
3.2 कैमरा शॉट्स के प्रकार
3.3 शॉट्सफ़्रेम एवं कंपोजीशन
3.4 लाइटिंग तकनीक : 1/2/3/ लाइटिंग
3.5 लाइटिंग स्रोत : प्राकृतिक, कृतिम

इकाई 4: फोटो संपादन प्रक्रिया

4.1 फोटो संपादन : प्रमुखसॉफ्टवेयर का परिचय
4.2 फोटो संपादन तकनीक एवं उपकरण
4.3 फोटो संपादन की विशेषताएं
4.4 फोटो चयन प्रक्रिया
4.5 विभिन्न उपयोग हेतु फोटो फॉर्मेट

प्रायोगिकी/गृह कार्य

- फोटोग्राफी के लिए कैमरा हैंडलिंग
- फोटो खीचने का अभ्यास
- फोटो शीर्षक लेखनका अभ्यास
- फोटो संपादनका अभ्यास

- फोटो फीचर का निर्माण
- फोटो प्रदर्शनी का आयोजन एवं फोटोग्राफी हेतु क्षेत्र भ्रमण।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम

- उक्त कोर्स के माध्यम से विद्यार्थियों को विभिन्न मीडिया संस्थानों में कैरियर के विकल्प चुनने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी प्रेस रिपोर्टर, फोटो संपादक, फोटो फीचर संपादक के साथ साथ फोटोग्राफी के क्षेत्र में-भी फ्रीलांस फोटोग्राफर के रूप में कैरियर बना सकता है वह स्वयं भी फोटोग्राफी का व्यवसाय आरंभ कर सकता है

संदर्भ सूची

- डिजिटल फ़ोटोग्राफ़ी (हिंदी),लेखक-विशनू प्रिया सिंह,प्रकाशक- कम्प्यूटेकप्रकाशन लिमिटेड, दिल्ली,इंडिया।
- फोटोग्राफी तकनीक और उपयोग, लेखक-नरेंद्र सिंह यादव,प्रकाशक-राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी ,राजस्थान, इंडिया।
- प्रैक्टिकल फोटोग्राफी डिजिटल कैमरा स्कूल: महान चित्र लेने के लिए कदम दर कदम गाइड,लेखक -कार्लटन बुक्स,प्रकाशक- कार्लटन बुक्स लिमिटेड,लंदन।
- डिजिटल फोटोग्राफी (हिंदी),लेखक-रियाज हसन,प्रकाशक- बूक एन्क्लेव, जयपुर, राजस्थान, इंडिया।

एम.ए.जनसंचार, तृतीय सेमेस्टर, प्रश्नपत्र –III

राजनीतिक संचार (मूल) (क्रेडिट - 02)

इकाई -1 राजनीतिक संचार – अवधारणा एवं तकनीक

- राजनीतिक संचार
- जनमत निर्माण
- प्रॉपगैंडा एवं परसुएसन
- मैन्युफ़ैक्चरिंग कन्सेंट

इकाई -2 राजनीतिक संचार -सिद्धांत

- एजेंडा सेटिंग सिद्धांत
- फ्रेमिंग सिद्धांत
- मीडियाकरण सिद्धांत
- राजनीतिक ब्रांडिंग

इकाई -3

- चुनाव प्रचार
- राजनीतिक विज्ञापन
- मतदान व्यवहार
- चुनाव आयोग

इकाई - 4

- ई- राजनीति
- सूडो– इवेंट्स
- हेट स्पीच
- मीडिया साक्षरता

प्रायोगिकी/गृह कार्य

- हाल के किसी चुनावी प्रचार प्रसार का अध्ययन।
- राजनीतिक विज्ञापनों का अध्ययन।
- जनमत निर्माण तकनीक का अध्ययन

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम

- राजनीतिक संचार की समझ छात्रों को ज़्यादा मीडिया साक्षर बनाएगी।
- चुनावी प्रचार प्रसार को बेहतर समझेंगे।
- जनमत निर्माण के तकनीकों को समझेंगे।

संदर्भ सूची –

- राजनीतिक समाजशास्त्र की रूपरेखा – शशि शर्मा, राजकमल इलेक्ट्रिक प्रेस, द्वितीय संस्करण
- Lillekar, D.G. (2009). Key Concepts in Political Communnication. Los Angeles: Sage.
- Kaid, L. L.&Holtz-Bacha, C. (2008). Encyclopedia of Political Communication. Los Angeles: Sage publication
- McNair, B. (2011). An introduction to Political Commnication. London: Routledge
- Kaid, L. L. &Holtz-Bacha (2004) C. Handbook of Political Communication Research. London: Lawrence Associate Publishers

एम.ए. जनसंचार, तृतीय सेमेस्टर, प्रश्नपत्र- IV

मीडिया प्रबंधन (मूल) क्रेडिट-04

इकाई-1 प्रबंधन: अवधारणाएवं सिद्धांत

1.1 प्रबंधन की अवधारणा

1.2 प्रबंधन के सिद्धांत एवं कार्य

1.3 प्रबंधन के स्तर

1.4 प्रबंधकीय संचार

1.5 संगठनात्मक व्यवहार

इकाई-02 मीडिया स्वामित्व का स्वरूप एवं प्रकार

2.1 मीडिया स्वामित्व के प्रकार: एकल,संयुक्त पूंजी कंपनी, ट्रस्ट, सोसायटी

2.2 चैन स्वामित्व

2.3 क्रॉस मीडिया स्वामित्व

2.4 कॉगलोमरेट स्वामित्व

2.5 वर्टिकल इंटिग्रेसन

इकाई-3 मीडिया स्वामित्व : समकालीन परिदृश्य

3.1 मीडिया स्वामित्व एवं मीडिया स्वतंत्रता

3.2 मीडिया स्वामित्व और भारतीय मीडिया परिदृश्य

3.3 मीडिया स्वामित्व संबंधी नीतियां

3.4 मीडिया स्वामित्व एवं मीडिया एकाधिकार

3.5 मीडिया स्वामित्व एवं वैश्विक परिदृश्य

इकाई-4 मीडियाप्रबंधन

4.1 मीडिया संगठन का प्रबंधकीय स्वरुप

4.2 मीडिया का संगठनात्मक स्वरूप एवं प्रबंधन

4.3 मानव संसाधन प्रबंधन, वित्तीय प्रबंधन

4.4 विपणन प्रबंधन,विज्ञापन प्रबंधन

4.5 जनसंपर्क प्रबंधनइवेंट प्रबंधन

प्रायोगिकी/गृहकार्य

- विविध मीडिया संस्थाओं के स्वामित्व पद्धति का विश्लेषण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करना।
- मीडिया संस्थाओं के प्रबंधन पद्धति का विश्लेषण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करना।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम -

- प्रबंधकीय कुशलता विकसित करना।

- मीडिया प्रबंधन के रूप कार्य हेतु तैयार करना।
- मानव संसाधन प्रबंधन के क्षेत्र में कार्य करने हेतु तैयार करना।

संदर्भ सूची

- आधुनिक मीडिया प्रबंधन– डॉ भगवान देव पाण्डेय और मिथिलेश कुमार पाण्डेय, तक्षशीला प्रकाशन**,** नई दिल्लीAgrawal, R.D.Organization and Management- TMH, New Delhi
- Stoner and Freeman, Management, Prentice Hall, N. Delhi.
- Koontz, O' Donnell Wechrich, Principles of Management, McGraw Hill, New York.
- Peter F. Drucker, The Practice of Management, Allied Publishers.
- Massie, Essentials of Management, AITBS, New Delhi.
- Terry and Franklin,Principles of Management, AITBS, New Delhi.
- Luthans Fred, Organizational Behaviour.,New York, McGraw Hill.
- Robbins S.P., Organizational Behaviour, New Delhi, PHI.
- Davis Keith, Human Behaviour at Work, TMH, New Delhi
- Pareek Udai, Organizational Behaviour, Oxford, IBH, Mumbai
- Hersey Paul and Blanchard, Management of Organizational Behaviour,Prentice Hall of India, New Delhi.
- Uma Shekharan, Organization Behaviour, TMH, New Delhi.
- . Dwivedi, R.S. Human Relations and Organizational Behaviour, Galgotia,New Delhi.
- Advertising and Promotion : An Integrated Marketing Communications Perspective George Belch and Michael Belch, 2015, 10th Edition, McGraw Hill Education
- Strategic Brand Management – Kevin Lane Keller, 4th Edition, 2013 – Pearson Education Limited
- Advertising: Planning and Implementation, 2006 – Raghuvir Singh, Sangeeta Sharma – Prentice Hall
- Advertising Management, 5th Edition, 2002 – Batra, Myers and Aaker – Pearson Education
- Brand Equity & Advertising- Advertising's role in building strong brands, 2013- David A. Aker, Alexander L. Biel, Psychology Press
- Brand Positioning – Strategies for Competitive Advantage, Subroto Sengupta, 2005, Tata McGraw Hill Publication.
- Integrated Advertising, Promotion, and Marketing Communications, Kenneth E. Clow and Donald E.
- Bell A. H. and Dayle Smith 1999 Management Communication, Singapore: John Wiley & Sons (Asia) Pvt. Ltd.

एम.ए.जनसंचार, तृतीय सेमेस्टर, प्रश्नपत्र -V

रचनात्मक एवं समसामयिक मुद्दों पर लेखन (ऐच्छिक) (क्रेडिट 04)

इकाई एक : रचनात्मक लेखन की अवधारणात्मक पहलू

- रचनात्मक लेखन :आशय, आवश्यकता एवं आधार
- मीडिया में उपयुक्त प्रमुख रचनात्मक लेखन के तत्व
- रचनात्मक लेखन संबंधी संरचना व आख्यान निर्माण विधि
- सूचनायुग में रचनात्मक लेखन की भाषा एवं शैली
- रचनात्मक लेखन की विशिष्टताएं एवं प्रयोग तकनीक

इकाई दो : समकालीन सामाजिकमुद्दे और लेखन

- शिक्षा, ज्ञान, नवाचार एवं राजनीतिक श्रंखला
- पर्यावरण, स्वास्थ्य एवं परिस्थितिकी
- मानव अधिकार, संवेदना एवं संरक्षण
- जेंडरव संबंधित संवेदनशील प्रकरण
- श्रम, मानव संसाधन एवं रोजगार व कौशल विकास के परिदृश्य

इकाई तीन : आर्थिक एवं वित्तीय मुद्दे: अवलोकन, समीक्षा एवं लेखन दृष्टि

- प्रमुख आर्थिक एवं वित्तीय उपक्रम एवं प्रकरण
- उद्योग, अर्थव्यवस्था, बजट एवं बैंकिंग क्षेत्र
- लोक एवं निजी क्षेत्र के वित्तीय उपक्रम
- अंतरराष्ट्रीय निवेशएवं विश्व व्यापार
- कॉरपोरेट जगत और उत्तरदायी शासन

इकाई चार: अंतर्राष्ट्रीय मुद्दे और उपयुक्तलेखन

- अंतर्राष्ट्रीय दृष्टि में भारत एवं विश्व संगठन
- एशिया में भारत और पड़ौसी राष्ट्र
- वैश्विक स्तर परयोग एवं खेल
- भारतीय संस्कृति, विश्व पर्यटन एवं सांस्कृति धरोहर
- सिनेमा एवं वृत्त चित्र हेतु लेखन

प्रायोगिकी/गृहकार्य

- विभिन्न जनमाध्यमों के आलोक में रचनाधर्मिता की समझ विकसित करना.
- समसामयिक चर्चा के विषयों पर रचनात्मक लेखों एवं प्रस्तुतियों के समानान्तर लेखन कार्य को विकसित करना .
- रचनात्मक विषयों पर सामग्री संकलन, मानक लेखन एवं संपादन के अभयास का सतत कार्य कराना.
- स्थानीय, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मीडिया लेखन का अवलोकन.
- समीक्षात्मक एवं तुलनात्मक तरीकों से रचना संसार को संचार माध्यमों के बीच खोजना .
- लेखन की नवीन शैली को विकसित करना तथा बहुआयामी जनमाध्यमों हेतु लेखन उपक्रम को विकसित करना

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम -

भारतीय मीडिया के लिए मानक उत्कृष्टता के लेखनकार्य हेतु प्रशिक्षित विद्यार्थी की उपलब्धता. मीडिया संस्थानों के समानान्तर उच्च गुणवता की प्रशिक्षण शैली द्वारा विद्यार्थियों में निपुणता. लेखकीनय उपक्रम हेतु राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय एवं डिजिटल अभिव्यक्ति हेतु व्यक्तिगत कार्यों हेतु दक्षतायुक्त मानव संसाधन का निर्माण.

संदर्भ सूची

- भारतीय स्वंतत्रता आंदोलन का इतिहास–डॉ. तारा चंद्र, प्रकारशन विभाग 1978
- भारतीय संविधान– सुभाष कश्यप, नैशनल बुक ट्रस्ट - 2010
- भारत – 2020 प्रकाशन विभाग
- राष्ट्रीय महिला आयोग वार्षिकी रिपोर्ट
- समसामयिक पत्र पत्रकाएँ

एम.ए. जनसंचार, तृतीय सेमेस्टर, प्रश्न पत्र- VI
पत्रकारिता की नवीन शैलियाँ (ऐच्छिक) (क्रेडिट - 04)

इकाई : 1

- अम्बुश पत्रकारिता)Ambush Journalism)
- एडवोकेसी पत्रकारिता (Advocacy Journalism)
- बैकपैक पत्रकारिता (Backpack Journalism)
- बैंडवैगन पत्रकारिता (Bandwagon Journalism)
- चेकबुक पत्रकारिता (Checkbook Journalism)

इकाई : 2

- चुर्नालिज्म (Churnalism)
- सहयोगी पत्रकारिता (Collaborative Journalism)
- कॉमिक्स पत्रकारिता (Comics Journalism)
- कम्प्यूटेशनल पत्रकारिता (Computational Journalism)
- डाटा पत्रकारिता (Data Journalism)

इकाई : 3

- एंबेडेड पत्रकारिता (Embedded Journalism)
- एंटरप्राइज़ पत्रकारिता (Enterprise Journalism)
- गोंज़ो पत्रकारिता (Gonzo Journalism)
- विसर्जन पत्रकारिता (Immersion Journalism)
- शांति पत्रकारिता (Peace Journalism)

इकाई : 4

- सकारात्मक पत्रकारिता (Positive Journalism)
- सनसनीखेज पत्रकारिता (Sensational Journalism)
- वॉचडॉग पत्रकारिता (Watchdog Journalism)
- संदर्भ विहीन पत्रकारिता
- ब्रेल पत्रकारिता

प्रायोगिकी/गृहकार्य

- पत्रकारिता में नवीन शैली का प्रशिक्षण देना
- पत्रकारिता में नवीन शैली का प्रयोग करना ।
- प्रिंट, इलेक्टोनिक एवं सोशल मीडिया में पत्रकारिता के नए ट्रेंड्स के प्रभाव को जानना

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम -

1. पत्रकारिता की नवीन शैलियों से अवगत कराना एवं अनुप्रयोग कराना।
2. मीडिया लेखन के सभी रूपों के संपादन के बारे में छात्रों को सैद्धांतिक और व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना।

संदर्भ सूची

- खोजी पत्रकारिता – एच भीष्मपल .प्रकाशन विभाग -1988
- भारतीय कार्टून कला – डॉ॰ बीना बंसल, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी - 2015
- ब्रेकिंग न्यूज- पूण्य प्रसून वाजपेयी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2000
- साइबर पत्रकारिता-विजय कुल श्रेष्ठ, राजस्थानहिंदी ग्रंथ अकादमी , 2012
- क्लास रिपोर्टर- जयप्रकाश त्रिपाठी, अमन प्रकाशन कानपुर, 2014

एम.ए.जनसंचार,चतुर्थ सेमेस्टर, प्रश्नपत्र - I
सांस्कृतिक संचार (मूल) (क्रेडिट - 04)

इकाई -1 संस्कृति – अवधारणा

- संस्कृति: अर्थ, परिभाषा, अवधारणा
- संस्कृति के मूलभूत तत्व
- अंतर सांस्कृतिक संचार
- लोकप्रिय संस्कृति

इकाई -2 संस्कृति, विचारधारा और वर्चस्ववाद

- शासनकर्ता वर्ग एवं सत्तारूढ़ विचार
- विचारधारा
- वर्चस्ववाद – एंटोनियो ग्राम्सी
- सांस्कृतिक उद्योग – मैक्स होर्कहाईमर एवं थीयडॉर एडोर्नो

इकाई -3 मीडिया एवं सांस्कृतक अध्ययन

- संचार की संस्कृति
- साइबर संस्कृति
- संचार और उपभोक्तावाद की संस्कृति
- सांस्कृतिक पहचान सिद्धांत

इकाई -4 सांस्कृतिक दृष्टि

- महात्मा गांधी
- पंडितदीनदयालउपाध्याय
- स्टूअर्ट हॉल
- फ्रैंकफ़र्ट स्कूल

प्रायोगिकी/गृह कार्य

- सिनेमा, टीवी, विज्ञापन द्वारा लोकप्रिय संस्कृति के निर्माण की प्रक्रिया को उदाहरण सहित विश्लेषण
- सांस्कृतिक उद्योग में संचार की भूमिका का विश्लेषण।
- गांधी एवं दीनदयाल उपाध्याय की सांस्कृतिक दृष्टि का विश्लेषण

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम

- छात्र संस्कृति की अवधारणा समझेंगे।
- छात्र संचार की संस्कृति एवं सांस्कृतिक उद्योग को समझेंगे।
- छात्र भारतीयों संचारकों के सांस्कृतिक दृष्टि को समझेंगे।

संदर्भ सूची

- संस्कृति के चार अध्याय – रामधारी सिंह दिनकर, जनवाणी प्रिंटर एंड पब्लिशर्स https://bestmotivationalstoryhindi.files.wordpress.com/2017/02/skca.pdf
- हिंद स्वराज- महात्मा गांधी, नवजीवन प्रकाशन
- एकात्म मानववाद – दीनदयाल उपाध्याय, प्रभात प्रकाशन
- An Introduction to Cultural Studies- Pramod K Nayar, Viva Books
- Media and Cultural Studies- Meenakshi Gigi Durham, Douglas M. Kellner, Blackwell Publishing
- The Media and Cultural Production- P. Eric Louw, Sage Publication
- Cultural Sociology- Lyn Spillman, Blackwell Publishers
- Cultural Theory and Popular Culture- John Storey, Pearson Longman

एम.ए. जनसंचार, चतुर्थ सेमेस्टर, प्रश्नपत्र II
भारतीय ज्ञान परंपरा और संचार (मूल) क्रेडिट- 04

इकाई 1 भारतीय ज्ञान परंपरा : अर्थ, स्वरूप एवं अवधारणा

- भारतीय ज्ञान परंपरा की अवधारणा
- भारतीय ज्ञान परंपरा का स्वरूप
- भारतीय ज्ञान परंपरा का महत्त्व
- भारतीय ज्ञान परंपरा की प्रक्रिया
- वर्तमान संदर्भ में भारतीय ज्ञान परंपरा की भूमिका

इकाई 2 भारतीय ज्ञान परंपरा और संचार

- संचार की भारतीय परम्परा और तत्व
- भारतीय ज्ञान परंपरा की संचारिक दृष्टि
- संचार की वैदिक दृष्टि
- संचार की उपनिषदयी दृष्टि
- संचार की लोक दृष्टि

इकाई 3 भारतीय ज्ञान परंपरा और प्रमुख संचारक

- आदि संचारक नारद
- महर्षि पाणिनि
- गौतम बुद्ध
- भरत मुनि
- कबीर
- महात्मा गांधी
- महर्षि अरविंद

इकाई 4 जनमाध्यमा और भारतीय संस्कृति

- ज्ञानात्मक संवाद की भारतीय परम्पराएं
- देशज ज्ञान परम्पराएं एवं प्रासंगिकता
- भारतीय ज्ञान परम्परा की वैश्विक परिपाटी
- जीवन शैली का स्थापत्य और भारतीय प्रारूप
- जीवन अनुसंधान की भारतीय दृष्टियों

प्रायोगिकी/गृह कार्य –

- पारंपरिक एवं देशज ज्ञान का प्रबोधन व साहित्य अध्ययन एवं अवलोकन.
- भारतीय सांस्कृतिक विरासत का प्रारूप व अनुसंधानात्कदृष्टि से लेखन.
- संचार और वैदिक, उपनिषदीय व सूत्र संहिताओं से ज्ञान मीमांसा के तत्वोंका अवलोकन .

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम

- समकालीन जीवन दर्शन हेतु भारतीय ज्ञानात्मकता का बोध लेखन.
- परंपराओं की वर्तमान प्रासंगिकता के क्षेत्रों की व्याख्या.
- लोक दृष्टि व संचारकों की भूमिका एवं दृष्टियों का सूत्रपात
- विद्यार्थियों में भारतीय ज्ञान परंपरा का बोध करानानों से एवं संवाद की समृद्ध विरासत व आख्यात्त्वों निहित संचार . त्मिक संचारकों की दृष्टियों को आध्या में उपलब्धदेजश ज्ञान एवं वैदिक व उपनिषदीय साहित्य .परिचित कराना प्रम .विकसित करानाःुख भारतीय परंपरा के आध्यात्मिक संचारकों की दृष्टि का बोध करानारत विद्यार्थियों में भा . .बोध विकसित करना

संदर्भ सूची–

- संस्कृति के चार अध्याय, रामधारी सिंह दिनकर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.
- संचार मी विवेकानंदअवधारणा एवं प्रक्रिया स्वा :, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय , भोपाल.
- भारतीयता की पहचान, विद्यानिवास मिश्र (2016) दिल्ली : वाणी प्रकाशन
- वैदिक संपत्ति, पं. रघुनंदन शर्मा (1932) गोंविदराम हासनंद, 4408, नई सड़क, दिल्ली -06,
- संचार अवधारणा एवं प्रक्रिया महर्षि पाणिनि :, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल
- भारतीय ज्ञान परंपरा, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय
- आदि पत्रकार नारद का संचार दर्शन, डॉओमप्रकाश सिंह ., अर्चना प्रकाशन, भोपाल
- संचार अवधारणा एवं प्रक्रिया महर्षि अरविंद :, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल.
- Indian Tradition & Communication, Dr Nirmala Mani Adhikary, MCNUJ&C, Bhopal.

एम.ए.जनसंचार,चतुर्थ सेमेस्टर, प्रश्नपत्र - III

मीडिया प्रोडक्शन (प्रिंट/इलेक्ट्रॉनिक/प्रायोगिक) (मूल) (क्रेडिट - 04)

एम.ए. जनसंचार, चतुर्थ सेमेस्टर, प्रश्न पत्र- IV

परियोजना कार्य एवं मौखिकी (क्रेडिट - 04)

मीडिया संबंधी सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक अध्ययन, समकालीन विषय, मुद्दे, विशिष्ट व्यक्तित्व, संस्थानों एवं क्षेत्र पर शोध कार्य का लेखन।

एम.ए. जनसंचार, चतुर्थ सेमेस्टर, प्रश्न पत्र संख्या – V
ग्रामीण संचार (ऐच्छिक) क्रेडिट- 04

इकाई-1 गांव की अवधारणा

- गांव की अवधारणा
- ग्रामीण जीवन
- गांव और शहर में अंतर
- ग्रामीण सामाजिक ढांचा
- ग्रामीण विकास की विभिन्न योजनाएँ

इकाई-2 ग्रामीण संचार के मूल तत्व

- ग्रामीण संचार : उद्भव एवं विकास
- ग्रामीण पत्रकारों के दायित्व
- ग्रामीण पत्रकारिता के आयाम
- ग्रामीण पत्रकारिता के बाधक तत्व
- ग्रामीण पत्र पत्रिकाएँ

इकाई-3 परंपरागत संचार के प्रकार

- परंपरागत अंत: व्यक्ति संचार
- परंपरागत अंर्तव्यक्ति संचार
- परंपरागत समूह संचार
- परंपरागत जनसंचार

इकाई-4 प्रमुख परंपरागत माध्यम

- संगीत, नृत्य
- नाटक, वाद्ययंत्र
- मूर्ति, चित्रकला, पेंटिंग
- पर्व एवं त्यौहार
- ग्रामीण खेल

प्रायोगिकी/गृह कार्य

- गाँव का भ्रमण कराना
- वॉल पत्र निकालना
- ग्रामीण आयोजन का अवलोकन करना
- ग्रामीण संचार की समस्या के बारे में व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त कराना
- ग्रामीण विकास का आकलन करना

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम

1. ग्रामीण पत्रकारिता के स्वरूप का ज्ञान करना।
2. भारतीय संस्कृति की समझ विकसित करना।
3. ग्रामीण विकास के स्वरूप को जानना।

संदर्भ सूची :

- भारतीय संस्कृति– साने गुरुजी
- ग्रामीण क्षेत्र की पत्रकारिता – डॉ रेणुका नैयर .हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकुला, 2002
- संस्कृति के चार अध्याय – रामधारी सिंह दिनकर , लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2016
- भारत की राष्ट्रीय संस्कृति– एस आविद हुसैन .नेशनल बुक ट्रस्ट, 2010
- भारतीय संगीत की परंपरा– मंजीरी जोशी,नैशनल बुक ट्रस्ट, 2013

एम.ए. जनसंचार, चतुर्थ सेमेस्टर, प्रश्न पत्र संख्या – VI
मोबाइल पत्रकारिता (ऐच्छिक) क्रेडिट- 02

इकाई 1:मोबाइल पत्रकारिता : आगमन एवं विकास

- मोबाइल तकनीक की विकास यात्रा
- मोबाइल पत्रकारिता और तकनीक एवं सावधानियां
- मोबाइल पत्रकारिता का प्रभाव
- मोबाइल पत्रकारिता का भविष्य एवं चुनौतियां
- मोबाइल पत्रकारिता के प्रमुख उपयोगी एप्प

इकाई 2: मोबाइल पत्रकारिता: तकनीक एवं कार्य स्वरूप

- मोबाइल पत्रकारिता के आवश्यक तकनीकी संसाधन
- मोबाइल न्यूज गेदरिंग की सावधानियां
- मोजो उपकरण चेक लिस्ट
- मोबाइल पत्रकारिता हेतु संपादन
- मोजो प्रसारण

प्रायोगिकी/ गृह कार्य

- मोबाइल तकनीक के संबंध में कार्य
- मोबाइल पत्रकारिता पर लेखन कार्य
- मोजो न्यूज गेदरिंग व कैमरा हैंडलिंग में अनुभव
- ऑनलाइन प्रयोग द्वारा सोशल मीडिया सहित मोजो के प्रायोगिक कार्य

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम

- आधुनिक मीडिया की नवाचार तकनीक में कार्य करने में सक्षम
- मोबाइल पत्रकारिता की कार्यशैली से तकनीकी दक्षता का ज्ञान
- मोजो तकनीकी एवं साफ्टवेयर पर कार्य प्रशिक्षण से तकनीकी रूप से सक्षम
- नए युग की पत्रकारिता में तकनीकी ज्ञान में बेहतर

संदर्भ सूची:

- इंटरनेट पत्रकारिता,लेखक- सुरेश कुमार,प्रकाशक- तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
- जनमाध्यम और भारतीय संस्कृति,लेखक-धरवेश कठेरिया,प्रकाशक- शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली।
- मोबाइल-फ़र्स्ट जर्नलिज्म: सोशल और इंटरेक्टिव मीडिया,लेखक-स्टीव हिल एवं पॉल ब्रैडशॉ ,प्रकाशक- रूटलेज,लंदन, यूनाइटेड किंगडम।